कीटाणुहनन एवं आरोग्यविघा (Sterilization & Sanitation)

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- स्टरलाइजेशन और सैनिटाइजेशन को परिभाषित करें
- स्टरलाइजेशन और सैनिटाइजेशन का महत्व
- स्टरलाइजेशन और सैनिटाइजेशन की विधियां
- सामान्य सैनिटरी सावधानियां की व्याख्या

कीटाणुहन्न (Sterilization) - कीटाणुहन्न वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सभी प्रकार के कीटाणुओ को मारा अथवा समाप्त किया जाता है ।

इसके अर्न्तगत सभी प्रकार के कीटाणु जैसे वायरस, फंगस, वैक्टीरिया इत्यादि आते है।

आरोग्यविघा (Sanitation) - आरोग्यविघा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमे सूक्ष्मजीवो की संख्या का उस अवस्था तक कम किया जाता है जोकि एक सतह के सुरक्षा स्तर के अन्तर्गत आती है । सुरक्षा स्तर से तात्पर्य रोग उत्पन्न करने वाले सूक्ष्म जीवो की संख्या को 99.99% तक कम करके उपयोग करने के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है।

स्टरलाइजेशन और सैनीटाइजेशन के उददेश्य

Purpose of sterilization and sanitation

इस दोनो ही प्रक्रियाओ का मुख्य उददेश्य सूक्षम जीवो के प्रजनन एंव विस्तार की रोकथाम करना है पार्लर मे प्रयोग होने वाली सभी वस्तुएं सूक्ष्म जीवो से रहित है । जिन्हे कॉस्मैटोलॉजिस्ट द्वारा स्टरलाइज या सैनीटाइज न किया जाये तो यह पार्लर में इफैक्शन और बीमारियां फैलाने के लिए जिम्मेदार होते है। चित्र 1 और चित्र 2

स्टरलाइजेशन और सैनीटाइजेशन के तरीको का वर्णन

Describe methods of Sterilization and sanitation

1 भौतिक एजेट-

A) Boiling (उबालना)- टूल्स को पानी में 212 फारेनहाइट (100c) पर बीस 20 मिनट उबाला जाता है।

B) Steaming (भाप द्वारा)- इसमें भाप के दबाव द्वारा मेडिकल के क्षेत्र में बैक्टीरिया को मारने के लिए करते है ।

C) Dry heat (शुष्क ताप)- इसका प्रयोग शीट, तौलिए, गॉज, कॉटन जैसे निर्जलित सामान को सैलून मे शुष्क ताप द्वारा सैनिटाइजर किया जाता है यह एक सूखा वायुरोधी कैबिनेट सैनीटाइजर होता है। इस कैबिनेट में स्वचछ उपकरणो को आवश्यकता पडने तक साफ रखा जा सकता है।

2 कैमिकल एजेट (रासायनिक एजेंट)

A) एबीसेप्टिक - यह वैक्टीरिया के विकास को रोकता है और त्वचा पर प्रयोग करने के लिए हल्का व सुरक्षित है जैसे हाइड्रोजन पर आक्साइड, फारमेलिन, एल्कोहल, बोरिक एसिड।

B) फार्मेलीन (Formlain) - इसे फार्मेल्डिहाइड गैसे से प्राप्त किया जाताहै । फार्मेलीन का प्रयोग कंधे इत्यादि को स्टेरिलाइज करने के लिए किया जाता है । घोल जितना गाढा होता है स्टेरिलाइजेशन मे उतना ही कम समय लगता है।

घोल -2 भाग फार्मेलीन , 5 भाग पानी , एक भाग ग्लीसरीन)

C) एल्कोहल - एल्कोहल का प्रयोग तेज धार वाले यंत्र और इलैक्ट्रोड को स्वच्छ करने के लिए किया जाता है इसके लिए 70% अल्कोहल को काटन पैड के साथ सतह को रगडकर साफ किया जाता है। इसका प्रयोग करने से यंत्रो की धार या किनारे खराब नही होते है।

D) लाइजॉल - तरल लाइजॉल का प्रयोग फर्श, सिंक, और टायलेट को साफ करने के लिए करते है।

E) बोरिक एसिड- सफेद क्रिस्टल आंखो को को साफ करने के लिए 2 से 5 प्रतिशत घोल के रूप मे किया जाता है।

F) हाइड्रोजन पर ऑक्साइड - हाइड्रोजन पर ऑक्साइड के लिक्विड फॉम 3-5 % घोल को त्वचा और हल्के कटस को साफ करने के लिए करते है।

विधि (विधि)

वैट सैनीटाइजर **Wet Sanitizer**

1 उपकरण के उपर से बालो को साफ करे ।

2 टूल्स को साबुन और पानी की सहायता से साफ करके उन पर लगी धूल,ग्रीस और तेल को साफ करे ।

3 आवश्यक समय के लिए वैट सैनीटाइजर में उपकरण रखे।

4 सैनीटाइजर से उपकरण निकाले।

5 साफ पानी से उपकरण धोये और साफ टावल की सहायता से सुखाये।

ड्राइ सैनीटाइजर **Dry Sanitizer**

1 यह एक वायुरोधी कैबिनेट है।

2 इसमे साफ उपकरणो को रखा जाता है।

3 कैबिनेट के नीचे एक छोटी ट्रे पर एक बडा चम्मच (15 ML) फार्मेलीन रखा जाता है।

4 यह फार्मेल्डिहाइड वाष्प द्वारा उपकरणो को स्ट्रलाइज करता है।

अल्ट्रा वाइलेट रेस सैनीटाइजर

Ultra Volilet Rays Sanitizer

1 टूल्स और उपकरणो से बालो को हटाये।

2 साबुन और पानी की सहायता से टूल्स साफ करे ।

3 आवश्यक समय के लिए अल्ट्रा वायलेट रेज सैनीटाइजर में रखे।

4 सैनीटाइजर से उपकरण को निकाले ।

5 साफ पानी से उपकरण धोये और साफ टॉवल की सहायता से सुखाये ।

सुरक्षा सावधानियां-

1 कैमिकल्स को ठण्डे और सूखे स्थान पर रखे।

2 सभी कंटेनर पर लेबल लगाकर रखे ।

3 सभी कंटेनर टाइट बन्द कर के रखे।

4 बिना लेबिल के लिक्विड को न तो टेस्ट करे, न सूंघे, न हिलाये ।

5 सभी उत्पादो का लेबिल ध्यान से पढे ।

6 रसायनो के मिश्रण और उपयोग करते समय निर्माता के निर्देश अवश्य पढे।

7 गिरे हुये रसायन को तुरतं साफ करे ।

8 आंखो से रसायनो को दूर रखे ।

9 सैलून मे प्राथमिक चिकित्सा किट अवश्य रखें।

सामान्य स्वच्छता सवधानियां **(Explain general sanitary precautions)**

- साफ सुथरे धुले हुये कपडे पहनें।

- बाथरूम का उपयोग करने के बाद अपने हाथो को ध्यान से धोएं।

- क्लांइट को कार्य शुरू करने से पहले और बाद में अपने हाथो को किटाणुनाशक साबुन से अवश्य धोयें।

- अपने स्टेशन और उपकरणो को हमेशा साफ रखे।

- प्रत्येक उपकरण को उपयोग के बाद कीटाणुरहित अवश्य करें।

- ऐसे क्लांइट का कार्य न करे जिसे कोई संक्रामक बिमारी हो।

- सैलून में जानवरो को आने की अनुमति न दें।